यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2017

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 8

पूर्णांक : 100

नाम.....पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम.....जन्मतिथि.....मोबाइल.....रोल नं.....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर, दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान है तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड़, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

1. समता संस्कार पाठशाला के विद्यार्थी हो । ( )
2. 97 अंक एवं सामायिक करने वाले 3 अंक प्राप्त कर सकते है। ( )

प्रश्न 1. नीचे लिखे पाठों को पूर्ण कीजिए **5×2 = 10**

1. तण्णं से .....
.....पडिगए

2. तेणं कालेणं .....
.....भावेमाणे विहरइ

3. विजयपूरे णयरे .....
.....जाव सिद्धे

4. महापुरे णयरे.....
.....

5. तए णं सा धारिणी.....
.....महाबलस्स रण्णो!

प्रश्न 2. निम्न प्रश्नों के उत्तर दो- **10**

1. 6ठें गुणस्थान में कितने व कौनसा-कौनसा भाव होते है, एवं 3रे गुणस्थान में कितने योग होते है?
.....

2. दान कितनी प्रकार का होता है नाम लिखिए?

.....

3. शुक्ल लेश्या कौनसे गुणस्थान में होते है एवं 2रें गुणस्थान में कितने ध्यान होते है?

.....

4. श्रावक कि अहिंसा कैसे 18.75 विस्वा हो जाती है?

.....

5. व्यवहार दया किसे कहते है?

.....

प्रश्न 3 अंको में उत्तर दीजिए **20**

1. आकाश में कितने छत्र घूमे ?

.....

2. उत्तराध्ययन सूत्र के कौन से अध्ययन में नामिराजर्षि के उत्तर है ?

.....

3. सोमिल और गजसुकुमार का बैर कितने भव पूराना है ?

.....

4. शालिभद्र मुनि कितने रागरोपम वाले देव बने ?

.....

5. कितने योजन तक तिड्डी आदि का उपद्रव नहीं होता है?

.....

6. देवकृत अतिशय कितने होते है ?

.....

7. कितने प्रकार की वस्तु दान देने योग्य है ?

.....

8. क्रिया कितनी होती है ?

.....

9. सुख विपाक सूत्रं के कितने अध्ययन है ?

.....

10. जाति स्थाविर कितनी अवस्था वाले होते है ?

.....

11. वैश्रमण कुमार का कितनी राजकन्याओं के साथ विवाह हुआ?

.....

12. साधुजी कितने विस्ता दया पालते है ?

.....

13. आचार धर्म के उत्तर भेद कितने है ?

.....

14. चरणसत्तरी के कितने भेद है ?

.....

15. गुणस्थान स्वरूप में कितने द्वार है ?

.....

16. सब प्रतिमाओं का कुल समय कितना है ?

.....

17. चौथे गुणस्थान की उत्कृष्ट स्थिति कितनी है ?

.....

18. 12 वें गुणस्थान में कितने कर्मो का उदय है ?

.....

19. मोहनीकर्म के उदय से कितने परिषद होते है ?

.....

20. तीर्थकर के अस्पृश्य गुणस्थान कितने हाते है ?

.....

प्रश्न 4. रिक्त स्थान पूर्ण कीजिए ? **20**

1. हो दुःख या सुख शत्रु अथवा ..... का सहवास हो ।

2. है ..... शाश्वत मेरी, और एक ही है सर्वदा ।

3. भगवान .....और .....करे तो छदमस्थ को नजर नहीं आवे

4. निज कर्म का .....प्राप्त करते, जीव सब संसार के

5. भगवान धर्म उपदेश .....भाषा में फरमाते है।

6. .....जीवन की शान है, करने वाला .....में महान है

7. विद्याधर ने कहा 'डरो मत ' मेरा नाम है.....

8. सातवे पुत्र .....का लालन-पालन भी नन्द .....ने किया।

9. भद्रा को .....का दोहद हुआ।

10. 13 वे गुणस्थान में ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय एवं अन्तराय कर्म का ..... तथा योग का सद्भाव निमित होता है ?

11. मोक्ष प्राप्त करने वाला उस भव में कम से कम.....गुणस्थान अवश्य प्राप्त करता है।

12. स्वभाव से ही रहने वाला भाव.....है।

13. .....होने से एवं अनन्तानुबन्धी कषाय का उदय हाने से दूसरे गुणस्थान में मिथ्यात्व की क्रिया लगना माना गया है ?

14. ऐसे .....प्रकार के ग्रहस्थ धर्म को अंगीकार करना चाहता हूं।

15. जिसका रूप प्रिय .....है।

16. सुबाहुकुमार .....देशविरत .....हो गये ?

17. .....का निष्क्रमण मेद्यकुमार कि तरह की तरह होता है ?

18. बलश्री के साथ .....का पाणि ग्रहण संस्कार हुआ था ?

19. सुघोष नगर में .....नामक राजा राज्य करता था ?

20. वरदत कुमार का जीव अन्त में .....उत्पन्न होगा।

प्रश्न 5. निम्न पाठों का अर्थ लिखिए **10**

1. णमो सुहदेवयाए। विवागसुयस्स दो सुयखंधा दुहविवागे य सुविवागे य । तत्थ दुहविवागे दस अज्झयणा एक्कासरगा दससु चेव दिवसेसु।,

.....

.....

.....

2. सुघोसे णयरे, देवरमणे उज्जाणे, वीरेसणों, जक्खो, अज्जुणो राया, रत्तवइ देवी, भद्धणंदी कुमारी, सिरिदेवी

णामोक्खाणं पंचसया जाव पुण्वभवपुच्छा

.....

.....

.....

3. तेणं कालेण तेण समएणं! समणे भगवं महावीरे समोसेढ़ परिसा णिग्गया। अदीनसतु जहा कोणिए णिगगए।

.....

.....

.....

4. तएणं से सुमहे गाहावई सुदत्तं अणगारं एज्जमाणं पासइ पासिमा हट्ठतुट्ठे आसणाओ अब्भुट्ठेइ,अब्भुट्ठित्त पायपीढ़ाओ पच्चोरूहइ

.....

.....

.....

5. गिहंसि य से इमाइ पंच दिण्वायं पाउब्भूयाइं तंजहा वसुहरा वुट्ठा! दसद्धवण्णे कुसुमे, णिवाइए चेलकुक्खेवे कए, अहयाओ देवदुन्दुहिओ, अंतरा वि य णं आगरांसि अहो दाणं अहो दाणे''

.....

.....

.....

प्रश्न 6. गाथाओं का पूर्ण करो ? **10**

1. भ्रमवश यह .....

.....

.....

..... जो किए ।

2. सारे विकल्पों .....

.....

.....

.....महान नू

3.बाह्य.....

.....

.....

.....सुख पाना

4.पंच महाव्रत .....

.....

.....

.....प्रत्याख्यान

5.जय नमिराज.....

.....

.....

.....राशि ।

प्रश्न 7. सही या गलत पर निशान लगाइये- **13**

1. काम भोग प्यारा लगे, फल किम्पाक समान ( )

2. दान भोग का नाश करता है ( )

3. बबूल आदि के कांटे सीधे हो जाते है ? ( )

4. भगवान के शरीर में भेषज रूपी लेप लगते नहीं है? ( )

5. गजसुकुमाल का शरीर फूल जैसा तथा हाथी के तालू के समान सुकोमल था ? ( )

6. बकरे को खिलाना पिलाना स्वरूप दया है। ( )

7. जीवाजीव के ज्ञाता श्रमणोपासक को अबुद्ध जागरण है। ( )

8. अप्रतिहत नामक राजा के सुकृष्णा नाम कि भार्या थी। ( )

9. सभी जीव जागना चाहते है, सोना कोई नहीं चाहता? ( )

10. धन कि शोभा दान करने में ही है ? ( )

11. रक्तवती-रानी के महाचन्द्र नामक राजकुमार था। ( )

12. देय, दाता, व पात्र ये तीनो ही शुद्ध हो तो वह दान जन्म मरण के बंधनो को तोड़ने वाला है। ( )

13. मनोज शब्द, वर्ण, रस, गंध और स्पर्श का नाश होता है ? ( )

प्रश्न 8 धन्ना जी को वैराग्य कैसे आया ? **2**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 9 माणिरथ ने युगबाहु की हत्या क्यों कि कारण स्पष्ट कीजिए । **2**

.....

.....

.....

.....

.....

.....